काव्यः- १
किसको नमन करूँ मैं

धोरणः- ८
विषय = हिन्दी

- **काव्यः- १**
- **किसको नमन करूँ मैं**

- **<u>* शब्दार्थः-</u>**

- १. नदीश = समुद्र
- २. गिरी = पहाड़
- ३. नमन = नमस्कार
- ४. वाचक = बताने वाला, सूचक
- ५. शील = चरित्र, चाल - चलन
- ६. भूमंड़ल = पृथ्वी, धरती
- ७. भास्वर = चमकीला

- ७. भास्वर = चमकीला
- ८. निखिल = संपूर्ण, सारा
- ९. घोष = आवाज़, घोषणा
- १०. धर्म – दीप = धर्म रूपी दीपक
- ११.कर = हाथ
- १२. ललाट = माथा

- **<u>प्रश्नः-१ शब्द – संपदा – निम्न शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिएः-</u>**
- १. नदीश = समुद्र, जलधी
- २. वन = जंगल, कानन
- ३. नमन = नमस्कार, प्रणाम
- ४. गिरी = पहाड़, नग
- ५. नर = मानव, आदमी
- ६. दीप = दीपक, दीया

- * **<u>प्रश्नः-२ निम्न शब्दों में से मूल शब्द और उपसर्ग या प्रत्यय अलग करके लिखिए।</u>**
- १. अखंडित = अखंड़ + इत
- २. मानवता = मानव + ता
- ३. अर्पित = अर्पण + इत
- ४. जीवित = जीवन + इत

- **<u>मौखिक प्रश्नों के उत्तर</u>**
- प्र.१ कवि अपने देश से ही प्रश्न क्यों पूछ रहा है?
- उत्तरः- क्योंकित भारत देश ही खुद नमन के
- लायक है। इसलिए कवि अपने देश से ही
- प्रश्न पूछ रहा है। कवि यहाँ अपनी
- मातृभूमि के प्रति अपनी कृतज्ञता के भाव
- को दिखाना चाहता है।

- प्र.२ विश्वशांति के लिए आवाज़ उठानेवाला देश
- कौन – सा है?
- उत्तरः- विश्वशांति के लिए आवाज़ उठानेवाला देश
- भारत है।
-
- **<u>* लिखित प्रश्नों के उत्तर</u>**
- प्र.१ मेरे प्यारे देश! देह या मन को नमन करुँ मैं!
- इस पंक्ति का देह या मन को नमन करने से
- क्या आशय है?

- उत्तरः- इस पंक्ति में देह का अर्थ भारत का भौतिक
- स्वरूपः- पर्वत, नदियाँ, वन आदि है।
- प्र.२ कविता में कवि ने अपने देश को सांस्कृतिक
- रूप से काफी समृद्ध बताया है – इसका कारण
- स्पष्ट कीजिए।
- उत्तरः- भारत की समृद्धि में अनेक धर्म और संप्रदाय
- समाए हुए है। यहाँ सभी धर्मो के लोग शांति
- से रहते है। भौगोलिक रूप से यहाँ बहुत

- विविधता होने के कारण यहाँ का खान – पान,
- भाषा – बोली और पहनावा भी अनेक प्रकार का
- है। इतनी भिन्नताएँ होने पर भी सभी भारतीय
- एकता के सूत्र में बँधे है और सभी प्रेमपूर्वक रहते
- है।
- प्र.३ कवि एकता और प्रेम को भारत की विशेषता
- बताता है। हमारा देश के यह गुण दुनिया को
- किस तरह से प्रभावित करते है?

- उत्तरः- भारत की एकता और प्रेम की भावना
- विश्वभर में एकता और प्रेम का प्रसार
- कर सकती है। इन दोनों गुणों से विश्व में
- भाइचारा बढ़ेगा और विश्वबंधुत्व की
- भावना लानेका प्रयास होगा।
- प्र.४ धर्म-दीप से क्या आशय है? जिसने भी धर्म –
- दीप को अपने हाथों में धारण कर लिया, वह
- भारतवासी है। कवि ऐसा क्यों कहता है?

- उत्तरः- “धर्म-दीप” का अर्थ है धर्म का प्रचार करना
- अर्थात मनुष्य को प्रेम, सदाचार, परोपकार
- जैसे गुणों को स्वयं ग्रहण करना और
- इनका प्रचार करना सिखाना। जिसमें भी
- यह गुण है, वह कही का भी निवासी हो,
- कवि उसे भारतवासी ही मानते है क्योंकि
- यह हमारे मूल – गूण है

- प्र.५ भारतवासी किसके लिए अड़ते हैं और किसके
- लिए अपने प्राण अर्पित कर देते है?
- उत्तरः- भारतवासी सत्य पर भड़ते है और न्याय के
- लिए प्राण अर्पित करते है।

- **<u>* सही उत्तर पर सही का निशान लगाइए।</u>**
- (क) इनमें से कौन – सी भारत की भौतिक संपदा
- नही है?
- १) समुद्र २) गिरी
- ३) वन ४) सत्य √

- (ख) कवि इनमें से किसे भारत की विशेषता मानते
- है?
- १) यहाँ के लोग शीलवान है √
- २) यहाँ अनेक नदियाँ है
- ३) यहाँ जातिगत भेदभाव है
- ४) देश की सीमाएँ समुद्र् को छूटी है।

- (ग) कवि भारत को किसी स्थान का वाचक नहीं मानता क्योंकि –
- १) इससे इसकी ताकत घट जाएगी
- २) यह देश वर्षो तक परतंत्र रहा
- ३) इससे इसकी महानता घट जाएगी
- ४) सीमाएँ कभी भी बदल सकती है √

- (घ) भारत का स्वर है –
- १) शांति का √ २) हिंसा का
- ३) अन्याय का ४) विद्रोह का
- (ड़) कवि मानवता का ललाट – चंदन किसे मानता
- है?
- १) पूरी दुनिया को २) भारत को √
- ३) संस्कारों को ४) व्यक्ति के कर्म को